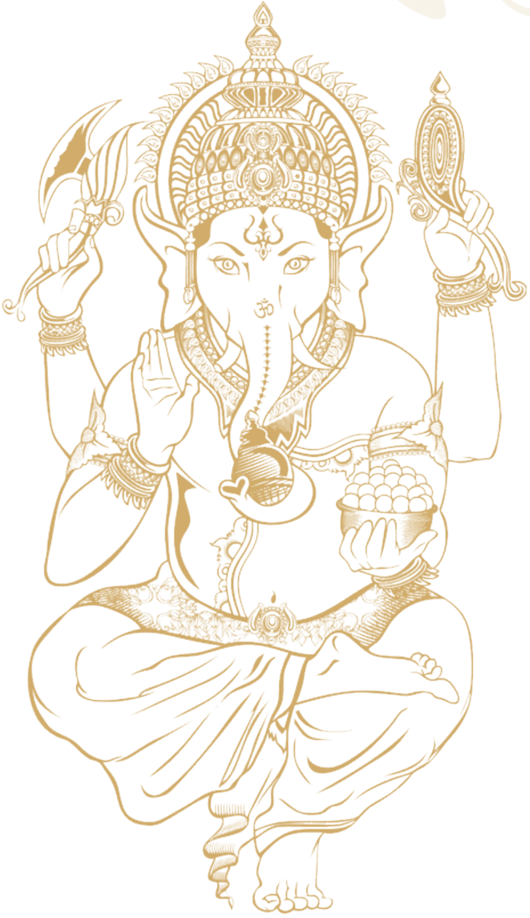

Mr.abhi

Ms.nikita Sharma meerut

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119756302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1995	जन्म तिथि	15/01/1996
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	17:55:00 घंटे
घटी 15:54:33	जन्म समय(घटी)	26:42:07 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Meerut
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:10	सूर्योदय	07:14:09
17:44:46	सूर्यास्त	17:42:49
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:13

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 19वर्ष 5मा 23दि		26:23:41	धनु	लग्न	कर्क	04:17:07	गुरु 14वर्ष 2मा 19दि	
चन्द्र		02:37:21	तुला	सूर्य	मक	00:49:44	शनि	
13/04/2021		13:40:45	सिंह	चंद्र	तुला	21:28:58	05/04/2010	
14/04/2031		05:47:21	वृश्चि	मंगल	मक	11:44:08	05/04/2029	
चन्द्र	11/02/2022	14:28:17	कन्या	बुध व	मक	08:21:03	शनि	08/04/2013
मंगल	12/09/2022	19:57:06	वृश्चि	गुरु	धनु	08:55:27	बुध	17/12/2015
राहु	13/03/2024	18:37:00	तुला	शुक्र	कुंभ	06:35:53	केतु	25/01/2017
गुरु	13/07/2025	25:05:19	कुंभ व	शनि	कुंभ	26:42:50	शुक्र	27/03/2020
शनि	12/02/2027	02:43:00	तुला	राहु व	कन्या	27:45:46	सूर्य	09/03/2021
बुध	13/07/2028	02:43:00	मेष	केतु व	मीन	27:45:46	चन्द्र	08/10/2022
केतु	11/02/2029	02:48:22	मक	हर्ष	मक	06:23:04	मंगल	17/11/2023
शुक्र	13/10/2030	29:02:16	धनु	नेप	मक	01:25:15	राहु	23/09/2026
सूर्य	14/04/2031	05:23:58	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:35:18	गुरु	05/04/2029

लग्न-चलित

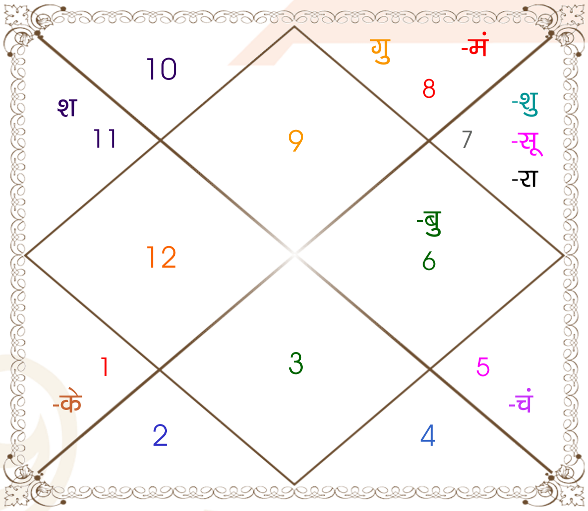

लग्न-चलित

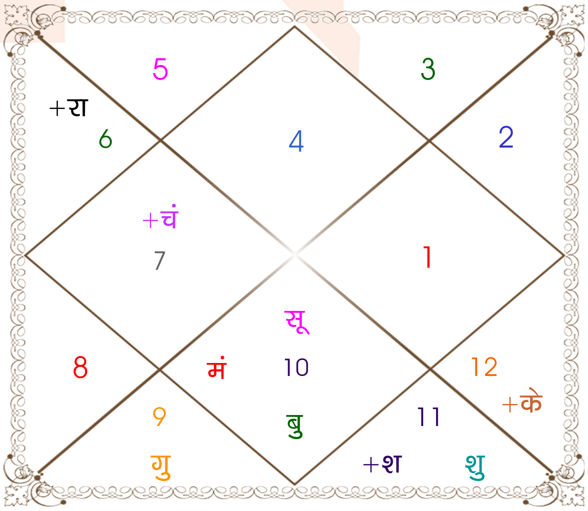

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.abhi का वर्ग मूषक है तथा Ms.nikita Sharma meerut का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhi और Ms.nikita Sharma meerut का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.abhi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nikita Sharma meerut मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nikita Sharma meerut कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.nikita Sharma meerut कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.nikita Sharma meerut कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.abhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.abhi तथा Ms.nikita Sharma meerut में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।